भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक अंग)
जनसंपर्क विभाग, कोयला नगर, धनबाद- 826005

P-112

दिनांक 30-09-2013

प्रेस-विज्ञप्ति

बीसीसीएल राजभाषा पखवारा का समापन समारोह आयोजित।

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड में दिनांक 30 सितंबर, 2013 को राजभाषा पखवारा का समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। बीसीसीएल में दिनांक 14 से 30 सितंबर, 2013 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस दौरान केरल राज्य से पधारे हिंदी के प्रख्यात विद्वान प्रो. वी. पी. कुंजू गेत्तर और गुमला, झारखंड से पधारे श्री उपेन्द्र पान नहन को प्रतिष्ठित **"बीसीसीएल कोयला भारती राजभाषा सम्मान"** से नवाजा गया। इस दौरान वर्ष भर राजभाषा कार्यान्वयन में बेहतर कार्य करने वाले लोदना क्षेत्र को प्रथम, कुसुंडा क्षेत्र को द्वितीय और बस्ताकोला क्षेत्र को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया और विभागीय स्तर पर जन-संपर्क विभाग, कोयला भवन को प्रथम, निदेशक (का.) सचिवालय को द्वितीय और भू-संपदा विभाग को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर अपना अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए बीसीसीएल के सीएमडी श्री तापस कुमार लाहिड़ी ने कहा कि हिंदी सभी को जोड़ने वाली भाषा है। हम सभी को अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करना चाहिए। इसी अवसर पर निदेशक (का.) श्री पी. ई. कच्छप ने कहा कि बीसीसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन बहुत बेहतर स्थिति में है। आज हमें 31 पुरस्कार राजभाषा के क्षेत्र में मिल चुके हैं और 9 पुरस्कार अगले माह में मिलने वाले हैं। हमारी कंपनी राजभाषा के क्षेत्र में बहुत अग्रणी बन चुकी है। इसके लिए राजभाषा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर बीसीसीएल के निदेशक (तक.)/परिचालन श्री डी.एन. झा ने अपनी चिरपरिचित शैली में श्रोताओं को कविता के साथ हिंदी में कार्य करने का आह्वान किया तथा कहा कि निदेशक (कार्मिक) के नेतृत्व में कंपनी में जो हिंदी का विकास हुआ है वह यथावत रहे। इस अवसर पर बीसीसीएल के निदेशक (वित्त) श्री अमिताभ साहा ने कहा कि हिंदी का सहज और सरल स्वरूप ही हमें कार्यालय में प्रयोग में लाना चाहिए।

राजभाषा पखवारा के समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में केरल से पधारे प्रख्यात हिंदी भाषी विद्वान प्रो. वी. पी. कुंजू गेत्तर ने पूरे विश्व और भारत में हिंदी की दशा और दिशा का चिंतन प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिंदी से किसी को कोई बैर नहीं है, देश के कोने-कोने में हिंदी संपर्क भाषा के रूप में इस्तेमाल हो रही है। इस अवसर पर दूसरे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित गुमला से पधारे नागपुरी भाषा के विद्वान ने राजभाषा हिंदी के गठन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी में बहुत उत्तम कोटी की साहित्य रचा जा रहा है और भारत की सभी भाषाओं की सामग्री को हिंदी में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर प्रमुख रूप से चिकित्सा सेवा प्रमुख डा. सुभाष चंद्र गुप्ता, महाप्रबंधक श्री के. मिश्रा, श्री ए.के. सिंह, श्री बी.सी. मांझी, श्री टी. मंडल, श्री वी. सी. नायक, श्री आर.एन. प्रसाद, श्री एस. के. सिंह, श्री सोलोमन कुदादा, श्री आर.आर. प्रसाद, श्री सजय अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजन में श्री सुदर्शन झा, श्री दिलीप कु. सिंह, श्री दीपक सिन्हा,श्री उदय वीर सिंह, श्री रंजीत कुमार, श्रीमती नूतन दास, श्री महेन्द्र कुमार सिंह, श्री उपेन्द्र ना. तिवारी, श्रीमती ईशानी चौधरी, श्रीमती सुपर्णा हाजरा, श्री लोकेश कुमार, श्री राजीव बोस, श्री अनिरूद्ध नोनिया, श्रीमती वंदना देवी का विशेष योगदान रहा। धन्यवाद ज्ञापन मुख्यालय के वरीय अनुवादक श्री श्याम नारायण सिंह ने किया।

जन-संपर्क प्रमुख

(कोल इंडिया लिमिटेड का एक अंग)
कोयला भवन
-826005
राजभाषा पखवारा-2013
(दिनांकः 14 से 30 सितंबर 2013)